सादर प्रकाशनार्थ

सात दिवसीय श्रीमद् भगवत गीता का शुभारम्भ रामनगर–साहीमुड़ी में,

कोरबाः24/12/2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व–विद्यालय के तत्वाधान में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी लीना बहन के सानिध्य में दिनांक 24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2017 तक दुर्गापण्डाल रामनगर–साहीमुड़ी में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भगवत गीता ज्ञान यज्ञ के शुभारम्भ में कलश यात्रा का आयोजन हुआ। बहन अघन बाई पार्षद वार्ड कं. 45, भ्राता पी.एल.पाण्डेय, डॉ. के.सी.देबनाथ दीप प्रज्जवलित कर शुभकामनायें व्यक्त की। ब्रह्माकुमारी लीना बहन ने श्रीमद्भगवद् गीता के प्रथम अध्याय में धर्मक्षेत्र, कुरूक्षेत्र का आशय बतलाते हुए कहा कि ये जीवन ही कुरूक्षेत्र है, जहां इंसान को नित्य धर्म को आचरण में लाना चाहिए। जब वह नहीं ला सकता है, तो यही कुरूक्षेत्र बन जाता है अर्थात् युद्ध करने का स्थान बन जाता है। जहां एक ओर दैवी संस्कार व दिव्यता है, तो दूसरी ओर आसुरी संस्कार, बुराई व प्रलोभन है। ये सद्गुण और दुर्गुण, दैवी व आसुरी संस्कारों के बीच का युद्ध है। आपने कहा कि इंसान के मन में चल रहे अंर्तद्वन्द पर विजय प्राप्त कर स्वयं के मनोबल को बढ़ाना ही इस कथा से लाभ लेना है। नगरवासी कार्यकम का लाभ लेने के लिये सादर आमंत्रित हैं।

मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी